प्रश्न: उत्पत्ति 24:59 में बताया गया है कि रिबका के साथ एक दाई भी गई थी। वह दाई कौन थी?

उत्तर: आइए इस विषय को ध्यानपूर्वक समझें।

उत्पत्ति 24:59 में लिखा है:

“तब उन्होंने अपनी बहिन रिबका को, और उसकी दाई को, और
अब्राहम के दास और उसके साथियों को विदा किया।”
(उत्पत्ति 24:59 – पवित्र बाइबिल: हिंदी O.V.)

यहाँ “दाई” शब्द (हिब्रू: isha mesharet) का अर्थ है – एक महिला सेविका या देखभाल करने वाली। यह उस महिला को दर्शाता है जो किसी दुर्बल, असहाय या सहायता की आवश्यकता रखने वाले व्यक्ति की देखभाल करती थी। इसका अनुवाद कभी-कभी “सेविका” या “दासी” के रूप में भी किया जाता है।

जब रिबका को इसहाक से विवाह हेतु भेजा गया, तब उसके साथ दाई की उपस्थिति यह दिखाती है कि बाइबिल काल में लम्बी यात्राओं के

समय एक युवती के साथ एक भरोसेमंद देखभाल करने वाली का साथ होना सामान्य बात थी — सुरक्षा, सहायता और संगति के लिए।

धार्मिक अन्तर्दृष्टि:

बाइबिल में कहीं यह नहीं लिखा कि रिबका बीमार थी, परन्तु दाई की उपस्थिति यह दर्शाती है कि यह एक ईश्वरीय प्रावधान था — जीवन के एक बड़े परिवर्तनकाल में देखभाल और संरक्षण प्रदान करने के लिए। यह उस स्त्री के गुणों की याद दिलाता है जो अपने घर की भली भांति देखरेख करती है:

“वह अंधियारे होने से पहले उठती है, और अपने घर के लोगों को भोजन देती है, और अपनी दासियों को काम लगाती है।”
(नीतिवचन 31:15 – पवित्र बाइबिल: हिंदी O.V.)

यह दर्शाता है कि परमेश्वर अपनी संतान के लिए कैसे हर परिस्थिति में व्यवस्था करता है।

बाइबिल में “दाई” शब्द अन्य स्थानों पर भी आया है। उदाहरण के लिए 2 शमूएल 4:4:

“शाऊल का पुत्र योनातान का एक पुत्र था जो दोनों पांवों से लंगड़ा था; जब शाऊल और योनातान की मृत्यु की खबर यिज्रेल से पहुँची, तब उसकी दाई उसे लेकर भागी; परन्तु जब वह भागने की उतावली कर रही थी, तब वह गिर पड़ा और लंगड़ा हो गया; और उसका नाम मपीबोशेत था।”
(2 शमूएल 4:4 – पवित्र बाइबिल: हिंदी O.V.)

यह प्रकरण दिखाता है कि संकट की घड़ी में दाई कितनी महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाती थी — वह देखभाल करने वाली और संरक्षक थी। इसी के माध्यम से परमेश्वर की करुणा और संरक्षण व्यक्त होता है।

आत्मिक शिक्षा:

आध्यात्मिक दृष्टिकोण से देखें तो दाई मसीह यीशु का प्रतीक है — वह जो हमारी आत्मिक और शारीरिक दुर्बलताओं में हमारी देखभाल करता है। जब हम संघर्षों में होते हैं, या टूटे हुए होते हैं, तो केवल यीशु ही हमें थाम सकते हैं, चंगा कर सकते हैं, और मार्गदर्शन दे सकते हैं।

“क्योंकि हमारे पास ऐसा महान याजक नहीं है जो हमारी
निर्बलताओं में हमारी सहानुभूति न कर सके, परन्तु वह सब
प्रकार से हमारी नाईं परखा गया, तौभी वह निष्पाप रहा। इसलिए

आओ, हम साहसपूर्वक अनुग्रह के सिंहासन के पास चलें, कि हम पर दया हो और आवश्यकता के समय सहायता पाने के लिए अनुग्रह प्राप्त करें।”
(इब्रानियों 4:15-16 – पवित्र बाइबिल: हिंदी O.V.)

यीशु भले चरवाहे हैं:

“अच्छा चरवाहा मैं हूँ: अच्छा चरवाहा भेड़ों के लिये अपना प्राण देता है।”
(यूहन्ना 10:11 – पवित्र बाइबिल: हिंदी O.V.)

और वही हमारा एकमात्र मध्यस्थ भी है:

“क्योंकि एक ही परमेश्वर है, और परमेश्वर और मनुष्यों के
बीच में एक ही मध्यस्थ है — मसीह यीशु जो मनुष्य है।”
(1 तीमुथियुस 2:5 – पवित्र बाइबिल: हिंदी O.V.)

लेकिन यीशु की यह देखभाल तभी कार्य करती है जब हम उसे अपने जीवन में ग्रहण करते हैं, उसकी प्रभुता स्वीकारते हैं और उसकी

आज्ञाओं का पालन करते हैं।

“यहोवा उसे रोग की खाट पर सम्भालेगा; तू उसकी बीमारी में
उसके पलंग को सुधारेगा।”
(भजन संहिता 41:3 – पवित्र बाइबिल: हिंदी O.V.)

यह उद्धार के सिद्धांत के साथ मेल खाता है: परमेश्वर की कृपा और देखभाल हमारे कार्यों से नहीं, बल्कि मसीह में विश्वास के द्वारा निःशुल्क दी जाती है:

“क्योंकि अनुग्रह से तुम विश्वास के द्वारा उद्धार पाए हो,
और यह तुम्हारी ओर से नहीं, परन्तु परमेश्वर का दान है; और न
ही कर्मों के कारण, ऐसा न हो कि कोई घमण्ड करे।”
(इफिसियों 2:8–9 – पवित्र बाइबिल: हिंदी O.V.)

मनन के लिए प्रश्न:

क्या यीशु वास्तव में तुम्हारे उद्धारकर्ता और संरक्षक हैं?

क्या तुम्हारा जीवन इस उद्धार की परिवर्तनकारी शक्ति को प्रकट करता है?

यदि तुमने अब तक यीशु को ग्रहण नहीं किया है, तो अभी उसे खोजो — इससे पहले कि देर हो जाए।

JIUNGE NA GROUP LETU LA WHATSAPP HAPA >> WHATSAPP GROUP….

Share on:
WhatsApp